प्रखर सिद्धांतों पर आधारित पुणे और मुंबई से प्रकाशित एकमात्र हिंदी दैनिक

सिद्धांत समाचार

वर्ष १८ – अंक ८७ – शनिवार १२ अगस्त २०२३ | पुणे | RNI NO.MAH HIN/2005/15277 | २ रूपए

siddhantsamachar.com | @SiddhantSamachar | facebook.com/siddhantsamachar | siddhantsamachar@gmail.com

CAYM EDUCATION TRUST'S

SIDDHANT GROUP OF INSTITUTIONS

APPROVED BY AICTE, PCI - NEW DELHI, Affiliated to Savitribai Phule Pune University, MSBTE, RECOGNISED BY GOVT.OF MAHARASHTRA

"Empowering Students to Become Future Leaders....."

Admissions Open: 2023-2024

Courses offered by Siddhant Group of Institution.

COURSES		INTAKE	DTE CODE
Siddhant College Of Engineering*	Diploma (AI&ML, Electrical, Mechanical, E&TC, Computer, Civil)	360	6149
	B. E. (Mechanical, Computer, I.T., E&TC, Civil)	360	
	M.E. (E&TC (VLSI), I T, Computer, Design Engineering)	84	
Siddhant College of Pharmacy*	B. Pharmacy.	100	PH - 6258
	M. Pharmacy.	24	MPH -6258
	Diploma Pharmacy.	60	D - 6515
	Diploma Pharmacy [Women].	60	D - 6922
Siddhant College Of Management*	M. B. A. (Master of Business Administration)	180	6134
Siddhant College Of Computer Application	M. C. A. (Master of Computer Application)	120	6240
Siddhant International School	Nursery to XII (CBSE Affiliated)	-	-
Siddhant College of Management Studies*	B. B. A. – (Bachelor of Business Administrator)	80	----
	B. B. A. [C. A.] – (Bachelor of Computer Application)	80	----
	B.A. (Bachelor of Arts)	80	
	B.Sc. (Bachelor of Science)	80	----
	B. Com (Bachelor of Commerce)	80	----
	M. Com (Master of Commerce)	60	----
	Post Graduate Diploma in Banking & Finance	60	----
	Post Graduate Diploma in Taxation	60	

* NAAC Accredited Institutes. | 100% Placement Assistance | www.siddhantinstitutes.in

For Admission Assistance please Contact following numbers:

Pharmacy :	M.B.A.:	M.C .A. :	Management Studies:	Engineering. :
Mrs. Shanan Yadav 84688 55688	Dr. Pratap Pawar 9423270598	Prof. Nitin Shrirao 9850005059	Dr. Yogesh Patil 9689493733	Prof. Bhagwat Kedar 9923906993

- Boys & Girls Hostel Facility Available in Campus
- Transport Facility Available from various locations of Pune & Pimpri -Chinchwad & Khed

Address: Chakan – Talegaon Road., Near Chakan Auto Hub, Sudumbare, Pune, 412109

नुवोको विस्तास ने वित्त–वर्ष२४ की पहली तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणाम घोषित किए

भारत में भवन निर्माण सामग्री के क्षेत्र की अग्रणी कंपनी, नुवोको विस्तास कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने 30 जून, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की, जिसका ऑडिट अभी किया जाना है। सम्मिलित रूप से 23.82 एमएमटीपीए की उत्पादन क्षमता के साथ, नुवोको विस्तास कार्पोरेशन लिमिटेड भारत में सीमेंट का उत्पादन करने वाला पांचवां सबसे बड़ा समूह है और पूर्वी भारत में सीमेंट की अग्रणी कंपनियों में से एक है। कंपनी के लिए समेकित सीमेंट बिक्री की मात्रा में साल–दर–साल के आधार पर 7% की वृद्धि हुई, और यह वित्त–वर्ष24 की पहली तिमाही में बढ़कर 5 एमएमटी तक पहुंच गई। इसी अवधि के दौरान, कारोबार के संचालन से प्राप्त समेकित राजस्व साल–दर–साल के आधार पर 6% की बढ़ोतरी के साथ 2,805 करोड़ रुपये हो गया, जबकि साल–दर–साल के आधार पर 7% की बढ़ोतरी के साथ समेकित ईबीआईटीडीए 402 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। प्रीमियम उत्पाद कंपनी के लिए एक प्रमुख आकर्षण क्षेत्र बने हुए हैं और वित्त–वर्ष24 की पहली तिमाही में कंपनी के सीमेंट कारोबार की मात्रा में 37% की हिस्सेदारी के साथ इसने बेहद महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कंपनी ने पश्चिम बंगाल में अपने प्रीमियम कंपोजिट सीमेंट 'ड्यूरागार्ड एफ2एफ' का विस्तार किया, साथ ही वित्त–वर्ष24 की पहली तिमाही में 'इंस्टामिक्स सुपीरियर कॉलम कंक्रीट' और 'आर्टिस्ट फ्लोरिंग सॉल्यूशन' नामक बेहद खास रेडी–मिक्स कंक्रीट (आरएमएक्स) प्रोडक्ट लॉन्च किया, जो दर्शाता है कि नुवोको प्रोडक्ट में इनोवेशन पर लगातार ध्यान दे रहा है। कंपनी सस्टेनेबिलिटी के अपने एजेंडेदृ यानी 'अपनी धरती की हिफाजत'– के वादे पर कायम है। कंपनी प्रति टन सीमेंट सामग्री1 पर 462 किलोग्राम सीओ2 के साथ सबसे कम कार्बन उत्सर्जन करती है। कंपनी ने इस तिमाही के दौरान अपने निंबोल सीमेंट प्लांट में अल्टरनेट फ्यूल फीडिंग सिस्टम को सफलतापूर्वक चालू किया, जो कंपनी को अपशिष्ट पुनर्चक्रण टन भार क्षमता को बढ़ाते हुए विभिन्न प्रकार के ईंधनों का प्रबंधन करने में सक्षम बनाएगी। कंपनी ने वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में साल–दर–साल के आधार पर 11.2% का उल्लेखनीय सुधार दर्ज करते हुए 5.2% का अल्टरनेट फ्यूल रेट (एएफआर) हासिल किया, जो इस उद्योग में सर्वश्रेष्ठ में से एक है। कंपनी ने तिमाही के दौरान 1.83 के साथ उद्योग में उच्चतम सीमेंट–टू–क्लिंकर अनुपात भी बनाए रखा, और इस तरह कंपनी की ओर से मिश्रित सीमेंट पर जोर दिया जा रहा है और डीकार्बोनाइजेशन पहल को आगे बढ़ाया जा रहा है। कंपनी के प्रदर्शन के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए, नुवोको विस्तास कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, श्री जयकुमार कृष्णस्वामी ने कहा, "इन्फ्रास्ट्रक्चर और आवासीय क्षेत्रों में सरकार की पहल के कारण सीमेंट की मांग में शानदार बढ़ोतरी देखी जा रही है। हम उम्मीद करते हैं कि मानसून के बाद भवन–निर्माण गतिविधियों में तेजी आएगी। इसके अलावा, हमने बिजली तथा पेट कोक, लिंकेज कोल और एएफआर जैसे ईंधनों के मिश्रण के सबसे बेहतर उपयोग के माध्यम से लागत में लगातार होने वाले बदलाव के माहौल का सफलतापूर्वक मुकाबला किया है, और इसमें हमें पेट कोक तथा कोयले की कीमतों में कमी से भी काफी सहयोग प्राप्त हुआ।" इसके अलावा, उन्होंने आगे बताया कि, "जहाँ तक विस्तार परियोजनाओं की बात है, तो इस तिमाही के दौरान रिस्दा सीमेंट प्लांट में बाधाओं को दूर करने का काम पूरा हो गया है, जबकि हरियाणा प्लांट में सीमेंट विस्तार और निंबोल सीमेंट प्लांट में बाधाओं को दूर करने का काम सितंबर 2023 तक पूरा होने वाला है, जिससे हमें उत्तर भारत में अपनी मौजूदगी को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। रेडी–मिक्स कंक्रीट व्यवसाय का देश भर में विस्तार जारी है और इस तिमाही के दौरान तीन नए संयंत्र चालू किए गए हैं।"

सिद्धांत समाचार
शनिवार १२ अगस्त २०२३

राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष गहरा रहा इस्लामिक और वामपंथी चरमपंथ का खतरा

पिछले दिनों बिहार के मधुबनी जिले के रहने वाले मो. एहतेशाम को दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ा गया। वह अफगानिस्तान भागने की तैयारी में था। प्रतिबंधित आतंकी संगठन पीएफआइ (पापुलर फ्रंट आफ इंडिया) के सदस्य याकूब खान को भी बिहार के पूर्वी चंपारण के एक मदरसे से गिरफ्तार किया गया था। गत वर्ष जब पीएफआइ से संबंधित समाचार आ रहे थे तो उसमें पटना हवाई अड्डा से सटे फुलवारी शरीफ के अलावा पूर्वी चंपारण और पूर्णिया का भी नाम आया था। पूर्णिया जिला पीएफआइ का मुख्यालय था तो पूर्वी चंपारण उसका ट्रेनिंग सेंटर। 27 अक्टूबर, 2013 को नरेन्द्र मोदी के पटना आगमन पर गांधी मैदान में हुए विस्फोट के कारण केंद्रीय एजेंसिया सतर्क थीं। परिणामस्वरूप वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री मोदी जब बिहार आए तो उससे एक दिन पूर्व एनआइए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) ने फुलवारी शरीफ से जलालुद्दीन और अतहर परवेज को गिरफ्तार कर लिया। शिक्षा के नाम पर ये दोनों युवाओं को जिहाद की ओर धकेल रहे थे। इसी प्रकार वर्ष 2016 में जाकिर नाइक और असदुद्दीन ओवैसी के समर्थन में पीएफआइ ने पटना में एक जुलूस निकाला था जिसमें पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाए गए। वर्ष 2021 में त्रिपुरा की घटना को लेकर भी फुलवारी शरीफ में एसडीपीआइ (सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी आफ इंडिया) के आह्वान पर एक अराजक जुलूस निकाला गया था। 'आतंकवादियों का बिहारी लिंक' सदा से चर्चा में रहा है। देश में घटी तमाम आतंकी घटनाओं के तार बिहार से जुड़ते रहे हैं। फुलवारी शरीफ घटना में गिरफ्तार अतहर परवेज ने एनआइए के पूछने पर यह स्वीकार किया था कि अपनी गिरफ्तारी से चार–पांच महीने पूर्व वह एटीएस आफिस गया था तथा एटीएस के दो पदाधिकारी उसके संपर्क में थे। बिहार पुलिस ने इस समाचार का न तो खंडन किया और न ही यह बताया कि वे दो पदाधिकारी कौन थे। वर्ष 2006 में मुंबई एटीएस ने मुंबई ट्रेन विस्फोट में मधुबनी के मो. कलाम और खालिद शेख को गिरफ्तार किया था। वर्ष 2009 में दिल्ली विस्फोट में मधुबनी के मो. मदनी, 2008 में रामपुर के सीआरपीएफ कैंप में हुए विस्फोट में मधुबनी के सबाहुद्दीन, 2011 में मधुबनी के ही अफजल एवं गुल अहमद की गिरफ्तारी के बाद समाचार पत्रों में आतंकवाद के 'मधुबनी और दरभंगा माड्यूल' की चर्चा भी शुरू हो गई थी। मई 2012 में कर्नाटक पुलिस ने बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम विस्फोट के संबंध में दरभंगा के मो. कफिल को गिरफ्तार किया था। इस पर बिहार विधानसभा के अंदर एक प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि कर्नाटक पुलिस ने अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों को बिहार पुलिस को बिना बताए गिरफ्तार किया। अखबारों में 'दरभंगा और मधुबनी माड्यूल' लिखे जाने की भी उन्होंने निंदा की। मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2012 में कर्नाटक की भाजपा सरकार के खिलाफ की गई टिप्पणी 2013 में भाजपा से संबंध विच्छेद का कोई पूर्व संकेत तो नहीं था? वर्ष 2021 में हुए दरभंगा ट्रेन विस्फोट की जांच एनआइए कर रही थी। इसी क्रम में 2022 में प्रधानमंत्री मोदी के बिहार आगमन के एक दिन पूर्व फुलवारी शरीफ में एनआइए ने कार्रवाई की। इस घटना के बाद राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण एवं नीति आयोग की बैठक से मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति ने भावी राजनीति के संकेत दे दिए। फुलवारी शरीफ की घटना के बाद बिहार में राजनीतिक परिवर्तन हुआ था। भाजपा से संबंध विच्छेद करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह स्वीकार किया कि समाज में विवाद पैदा करने का प्रयास उन्हें अच्छा नहीं लग रहा था। सवाल यह है कि किस विषय को लेकर कौन विवाद पैदा कर रहा था? लगता है बिहार का प्रशासनिक तंत्र आतंकवाद के प्रति गंभीर नहीं है। गांधी मैदान विस्फोट की जांच एनआइए को देने का उसने विरोध किया था। विस्फोट के बाद मुख्यमंत्री ने कहा था कि खुफिया विभाग (आइबी) ने कोई इसकी पूर्व सूचना नहीं दी थी। मुख्यमंत्री के दावे को खारिज करते हुए आइबी ने यह कहा था कि राज्य सरकार को इसकी पूर्व में सूचना दी गई थी। फुलवारी शरीफ की घटना के बाद पटना के तत्कालीन एसएसपी मानवजीत सिंह ढिल्लो ने पीएफआइ की तुलना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से की थी। उनके इस बयान के आधार पर कह सकते हैं कि राज्य का पुलिस–प्रशासन आतंकवाद को गंभीरता से नहीं ले रहा। कानून–व्यवस्था राज्य का विषय है, पर लोकतंत्र में राज्य की सत्ता का संचालन करने वाला 'वोट बैंक चाहे जाति का हो या पंथ का' के खिलाफ सख्त कदम उठाने से परहेज कर रहा है। आज राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष इस्लामिक और वामपंथी चरमपंथ का खतरा गहराता जा रहा है। फुलवारी शरीफ में आतंकवादियों से प्राप्त दस्तावेज में वर्ष 2047 तो माओवादियों से प्राप्त दस्तावेज में वर्ष 2050 में भारत पर कब्जा करने के उनके मंसूबे का पर्दाफाश हुआ है। पीएफआइ पर प्रतिबंध के बाद उम्मीद थी कि बिहार सरकार व्यापक स्तर पर अभियान चलाएगी, पर ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। पीएफआइ ने अपना मुख्यालय संवेदनशील पूर्णिया में खोल रखा था। मुजफ्फरपुर से सटे मोतिहारी जिले में पीएफआइ के ट्रेनिंग सेंटर संबंधी फोटो को मीडिया ने दिखाया भी था। इन जगहों पर बड़े पैमाने पर छापेमारी की आवश्यकता थी, पर नहीं की गई। जिस तरह सिमी (स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट आफ इंडिया) पर प्रतिबंध के बाद आतंकवादियों ने एक नए नाम पीएफआइ के तहत अपने संगठन को जिंदा रखा, उसी प्रकार पीएफआइ पर प्रतिबंध के बाद वे किस बैनर से सक्रिय हैं–इसकी जांच–पड़ताल की आवश्यकता है। बारूद के ढेर पर बैठे बिहार को गंभीरता से लेना होगा।

विकास का इंजन बनें राज्य

वित्त वर्ष 2023–24 की पहली तिमाही के लिए जारी आरबीआइ के आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि कोविड महामारी के बाद केंद्र एवं राज्यों के राजकोषीय घाटे और ऋण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। केंद्र का राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.9 प्रतिशत रह गया है। वहीं सभी राज्यों का राजकोषीय घाटा भी 4.1 प्रतिशत से घटकर 3.24 प्रतिशत रह गया है, परंतु ये आंकड़े सभी राज्यों के लिए समान नहीं हैं। वित्त वर्ष 2020–21 में चार राज्य बिहार, गोवा, ओडिशा और उत्तर प्रदेश राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को पाने में पिछड़ गए थे। वित्त वर्ष 2023–24 की पहली तिमाही में सात राज्य आंध्र प्रदेश, हरियाणा, केरल, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु और बंगाल अपने लक्ष्य से पीछे हैं। इनमें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और झारखंड को जोड़ दें तो ये दस राज्य कुल देश का 50 प्रतिशत से अधिक व्यय करते हैं। इन राज्यों का ऋण वित्त आयोग द्वारा अनुशंसित ऋण अनुपात से भी अधिक है। यह किसी एक राज्य की समस्या नहीं है, बल्कि यह पूरे देश की समस्या है। राज्यों के खर्च तो बढ़ते जा रहे हैं, परंतु उनके लिए वित्त पोषित करने की क्षमता वित्त वर्ष 1955–56 में 69 प्रतिशत से घटकर 2019–20 में 38 प्रतिशत ही रह गई है। वित्तीय अनुशासन के बाद भी राज्यों की स्थिति में कोई विशेष सुधार नहीं आया है। राज्यों की बढ़ती उधारियां अर्थव्यवस्था पर न सिर्फ प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं, बल्कि इसका प्रभाव उन राज्यों पर भी हो रहा, जो विकसित बनने की दिशा में अग्रसर हैं। राज्यों का व्यय उनकी आय से अधिक होने के कारण वे अधिक ऋण की मांग करते हैं। ब्याज भुगतान, सब्सिडी, पेंशन, कर्ज माफी आदि गैर उत्पादक व्यय के बढ़ने से राज्य सरकारों पर आर्थिक दबाव बढ़ता जा रहा है। कोविड महामारी के बाद उत्पन्न होने वाले वैश्विक जोखिम और अनिश्चितताओं के कारण विभिन्न प्रकार के घाटे को कम करना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बन गई है। तेजी से बदलती वैश्विक आर्थिक गतिविधियों ने नीति–निर्माताओं को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि अनुदान एवं मुद्रास्फीति के साथ राजकोषीय संतुलन का प्रबंधन किस प्रकार किया जाए। इस संतुलन को साधने के लिए सरकार कर के दायरे में सुधार करने के बजाय कर की गहनता को बढ़ावा दे रही है, जो आने वाले समय के लिए मुश्किलें पैदा कर सकती है। इन दिनों भारतीय राज्यों के समक्ष दोहरी समस्या है। एक तरफ कम कर, कम राजस्व और बढ़ता घाटा है तो दूसरी ओर विकास प्रक्रिया को तेज करने के लिए आधारिक संरचना में अधिक व्यय करना पड़ता है। प्रत्येक राज्य की विशेषताएं भी इस असमानता को बढ़ा रही हैं। जनसंख्या, आर्थिक विकास, शहरीकरण, प्राकृतिक संसाधन, जलवायु, इन्फ्रास्ट्रक्चर, नियामक वातावरण, श्रमिक सुधार, नेतृत्व क्षमता आदि में भिन्नता के कारण राज्यों में आर्थिक–सामाजिक असमानताएं तेजी से बढ़ रही हैं। आकर्षक इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं सुविधाओं के कारण महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और तमिलनाडु निजी निवेश को आकर्षित कर समृद्ध राज्यों में बदल रहे हैं। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना आर्थिक शक्ति के केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहे हैं। उत्तर प्रदेश दीर्घकालिक वाणिज्यिक संभावनाओं के रूप में तेजी से उभर रहा है। जबकि अन्य राज्य इस दौड़ में काफी पीछे हैं। इन राज्यों के विभिन्न प्रकार के व्यय और घाटे को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार लंबे समय तक अनुदान और ब्याज मुक्त ऋण देने की स्थिति में नहीं है। ऐसी स्थिति में राज्यों के राजकोषीय एवं राजस्व घाटे के उचित प्रबंधन के लिए रणनीतिक पहल की आवश्यकता है। इस संदर्भ में भारत के विकास माडल पर पुनर्विचार करना होगा, जिससे प्रत्येक राज्य का देश के विकास में अहम योगदान हो सके। यदि वैश्विक परिदृश्य के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं तो हमें प्रत्येक राज्य को विकास के अवसर उपलब्ध करवाने होंगे। यह तभी संभव है जब बाहरी स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय राज्यों को अधिक आर्थिक अधिकार मिलें। इसके साथ–साथ उन्हें अपने संसाधनों के दोहन में अधिक सक्षम बनाना होगा। बड़े राज्यों के उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, जो विकास में अपना योगदान नहीं कर पा रहे हैं। स्थानीय जरूरतों के आधार पर बड़े राज्यों के पिछड़े क्षेत्रों को नए राज्य के रूप में बनाया जाना चाहिए। छोटे राज्यों का निर्माण करते समय पहले से ही मौजूद संस्थानों को सशक्त करना होगा। नए राज्यों के विकास और दक्षता में बढ़ोतरी से लोकतांत्रिक शासन की व्यवस्था भी मजबूत होगी। प्रत्येक राज्य को कम से कम 12 श्रेणियों में अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचा, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून–व्यवस्था, शासन, समावेशी विकास, उद्यमिता, पर्यटन, पर्यावरण और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना होगा। राज्यों की राजकोषीय स्थिरता के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। वित्त आयोग के भी पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता है। उन विकल्पों पर भी विचार किया जाना चाहिए जिससे राज्यों को घाटे से बाहर निकलने में मदद मिल सके। विकसित बनने वाले राज्यों को वित्त आयोग की परिधि से बाहर किए जाने पर विचार किया जाना चाहिए, जिससे वे स्वयं के राजस्व स्रोतों को बढ़ा सकें। आयोग को इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि वर्तमान कर्ज का बोझ भावी पीढ़ी पर कम से कम हो। आर्थिक विकास ही वह मापदंड है, जो प्रत्येक राज्य को उसकी समस्याओं से निजात दिला सकता है। राज्यों के पूंजीगत व्यय को अधिक करने के लिए नीतिगत उपायों पर सहमति बनानी होगी। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारों को अपने वैचारिक पक्षों से अलग हटकर देश के विकास के लिए एक स्पष्ट नीति पर कार्य करना होगा।

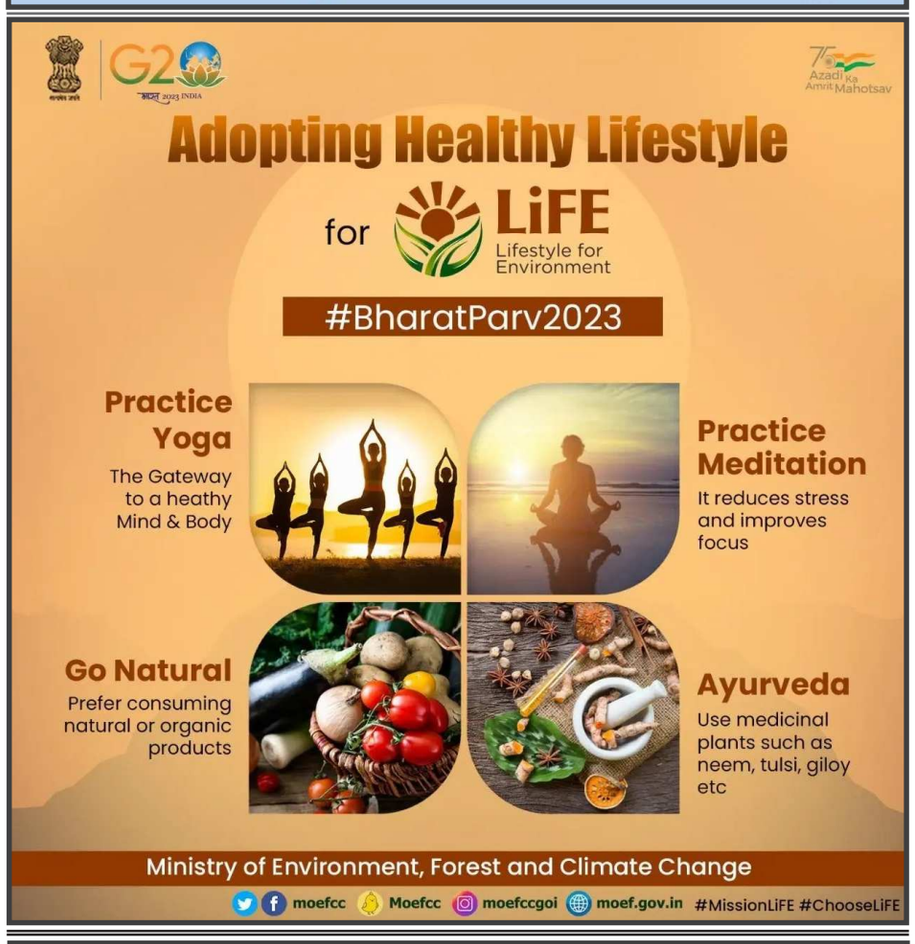

यह समाचार पत्र प्रकाशक, मुद्रक, मालिक व संपादक : श्री राजेंद्र सिंह यादव द्वारा, सिद्धांत ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, सुदंबरे, चाकन – तलेगांव रोड, पुणे – ४१२१०६ से प्रकाशित किया जाता है।
RNI NO.MAH HIN/2005/15277
www.siddhantsamachar.com / E-mail : siddhantsamacharpune@gmail.com / Phone : 9 8707 99 813
इस अखबार में छपी सभी खबरों के लिए संपादक सहमत है ऐसा नहीं। न्यायालयीन विवाद के लिए कार्यक्षेत्र पुणे रहेगा।

नशे में धुत कार चालक ने मासूम को ८०० मीटर तक घसीटा

पिंपरी – पिंपरी–चिंचवड में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना घटी है। नशे में धुत एक कार चालक ने कई लोगों को टक्कर मारने के बाद भागने की कोशिश में एक मासूम को करीब एक किलोमीटर तक घसीटा। जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, पिंपरी–चिंचवड इलाके के दिघी–आलंदी रोड पर यह घटना घटी है। जहां एक तेज रफ्तार कार ने कुछ लोगों को उड़ा दिया। इसमें सात साल के एक बच्चे की मौत हो गयी है। आरोप है कि दुर्घटना के बाद आरोपी चालक ने कार नहीं रोकी और सात वर्षीय पार्थ प्रणव भोसले को करीब 800 मीटर तक घसीटता गया। इस मामले में दिघी पुलिस ने 40 साल के राहुल तापकीर को हिरासत में लिया है। पार्थ और उसकी मां स्कूटी से चारहोली चौक से दिघी की ओर जा रहे थे। तभी आरोपी की कार ने स्कूटर को जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में मां गंभीर रूप से घायल हो गई और बेटे पार्थ की मौत हो गई। यह घटना रात करीब 10 बजे की है। पुलिस के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वाले पार्थ अपनी मां के साथ स्कूटी से सर्विस रोड से दिघी की ओर जा रहे थे। तभी आरोपी राहुल ने तेज रफ्तार कार से उन्हें टक्कर मार दी। जिससे स्कूटी गिर गई। हादसे के बाद पार्थ की मां कार के बगल गिरी जबकि पार्थ कार के नीचे फंस गया. गंभीर चोटों के कारण पार्थ की मौके पर ही मौत हो गई। इस बीच गुस्साए नागरिकों ने आरोपी राहुल की जमकर पिटाई कर दी। इसके बाद उसे दिघी पुलिस को सौंप दिया गया। दिघी थाने के पुलिस अधिकारी ने बताया कि राहुल के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस हादसे के अन्य पीड़ितों का भी बयान दर्ज कर रही है। खबर है कि राहुल ने कुछ और लोगों को अपनी कार से टक्कर मारी थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शातिर महिला अपराधी पर एमपीडीए की कार्रवाई

पुणे – हडपसर पुलिस स्टेशन की सीमा में देसी हाथभट्टी दारु बेचने का अपराध करने वाली शातिर महिला अपराधी के खिलाफ पुणे पुलिस आयुक्त रितेश कुमार ने एमपीडीए कानून के तहत दूसरे जेल में शिफ्ट करने की कार्रवाई की है. पुलिस आयुक्त की यह 39वीं कार्रवाई हैं. दूसरे जेल में शिफ्ट की गई महिला आरोपी का नाम सुमन संजय कडमंची (उम्र–41 नि. समर्थनगर, हिंगणे मला, हडपसर) है. आरोपी पुलिस रिकॉर्ड में शातिर अपराधी है. उसने अपने साथियों के साथ अवैध रुप से मिलावटी ताडी बेचने जैसे गंभीर अपराध किए है. उसकी आपराधिक कारनामों के कारण परिसर के नागरिकों के स्वास्थ्य व जान को खतरा पैदा होने से सार्वजनिक व्यवस्था में बाधा पैदा हो गई थी. साथ ही उसकी दहशत की वजह से नागरिक खुलकर उसके खिलाफ सामने नहीं आ रहे है. आरोपी सुमन कडमंची के खिलाफ पिछले 5 वर्षों में 8 मामले हडपसर पुलिस स्टेशन में दर्ज किए गए है. आरोपी को दूसरे जेल में शिफ्ट करने की कार्रवाई का प्रस्ताव पुलिस आयुक्त के समक्ष पेश किया गया था. प्राप्त प्रस्ताव व कागजातों की पड़ताल कर पुलिस आयुक्त ने आरोपी सुमन कडमंची को एक वर्ष के लिए नाशिक सेंट्रल जेल भेजने का आदेश दिया है. यह कार्रवाई हडपसर पुलिस स्टेशन के तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अरविंद गोकुले व वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रवींद्र शेलके, पी.सी.बी. क्राइम ब्रांच के पुलिस उपनिरीक्षक राजू बहिरट ने की है. पुलिस आयुक्त ने अब तक 39 अपराधियों के खिलाफ एमपीडीए कानून के तहत दूसरे जेल में शिफ्ट करने की कार्रवाई की है. आने वाले समय में इसी तरह की कार्रवाई करने की बात कही गई है.

चांदनी चौक प्रोजेक्ट का उद्घाटन आज

पुणे – शहर के चांदनी चौक में प्रोजेक्ट का काम पूरा हो चुका है. आखिरकार इस परियोजना का उद्घाटन आज किया जाएगा. इसका उद्घाटन केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी करेंगे. यह प्रोजेक्ट पुणे से जाने वाले पुणे–बंगलोर नेशनल हाईवे पर स्थापित किया गया है. उम्मीद है कि, इस नए प्रोजेक्ट से चांदनी चौक पर लगातार लगने वाले ट्रैफिक जाम को कम करने में मदद मिलेगी. यहां आज होने वाले उद्घाटन की तैयारियां शुरू हो गई हैं. खबर है कि इस प्रोजेक्ट के उद्घाटन में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार शामिल होंगे. फ्लाईओवर परियोजना 397 करोड़ रुपये की है. कोथरूड से मुलशी, सातारा से मुलशी, मुलशी से पुणे, मुलशी से मुंबई, मुलशी से पाषाण– बावधन, पाषाण से मुंबई तक मुख्य राजमार्ग पर यातायात की सुविधा के लिए इस स्थान पर एक फ्लाईओवर और एक सबवे का निर्माण किया गया. यातायात की भीड़ से बचने के लिए यहां दो सर्विस रोड, आठ रैंप, दो सबवे समेत 17 किमी लंबी सड़कों का निर्माण किया गया. चांदनी चौक पर पुल का काम शुरू हुए कई महीने हो गए हैं. चांदनी चौक में यातायात बाधित करने वाले पुल को एक अक्टूबर को उड़ा दिया गया था. इसके बाद भी अक्सर जाम लगता रहा. इस पुल के कारण पुणे–बंगलोर राजमार्ग पर भारी ट्रैफिक जाम होता था. इस जाम में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी फंस गये. इसके बाद उन्होंने ये सारी स्थिति देखी और चांदनी चौक के पुल को तोड़ने का आदेश दे दिया. तदनुसार, इसे 1 अक्टूबर को उड़ा दिया गया था. इसके बाद इस जगह पर नए प्रोजेक्ट का काम शुरू हो चुका था. यह कार्य पूरा होने के साथ ही आज परियोजना का उद्घाटन किया जाएगा. चांदनी चौक में पिछले कुछ महीनों से भारी ट्रैफिक जाम हो रहा है. चूंकि इस फ्लाईओवर का काम चल रहा था, इसलिए ट्रैफिक के लिए बड़ी समस्या खड़ी हो गई थी. कहा जा रहा है कि चांदनी चौक में इस प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद ट्रैफिक जाम हो जाएगा. तो क्या वाकई इस पुल के उद्घाटन के बाद ट्रैफिक में कोई फर्क पड़ेगा? यह देखना महत्वपूर्ण होगा.

वेटनरी डॉक्टर का अपहरण कर लूटे २७ लाख रुपए

पुणे – कुत्ते के बीमार होने की बात कहकर वेटनरी डॉक्टर को बुलाकर उनका अपहरण कर लिया. उन्हें जबरन उनके घर लाकर सोने के गहने, २५ लाख रुपए कैश सहित २७ लाख रुपए लूटने की घटना वडकी में हुई है. इस मामले में एक ४८ वर्षीय डॉक्टर ने लोणी कालभोर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है. यह घटना वडकी के पवार बस्ती में बुधवार की शाम पौने पांच बजे हुई. इस मामले में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शिकायत वेटनरी डॉक्टर है. उनका व उनकी पत्नी का कोर्ट में तलाक का मामला चल रहा है. उनके बीच प्रॉपर्टी का विवाद है. उन्हें बुधवार को वडकी के पवार बस्ती में कुत्ते के बीमार होने की बात कहकर उपचार के लिए बुलाया गया. इसके अनुसार वे वहां गए. इस दौरान १० लोगों ने उनसे पूछताछ की. इनमें से २ से 3 लोगों ने उन्हें एक कार में जबरन बिठाकर उनका अपहरण कर लिया. उन्हें दिवे घाट होते हुए वनपुरी आंबोडी, वाघापुर ले जाकर जान से मारने की धमकी दी. चाकू से मारकर हाथ को जख्मी कर दिया. पैसे कहां है, यह पूछते हुए उनके गले और पेट पर चाकू लगाकर कहा कि तुम्हारे नाम पर तुम्हारी पत्नी और साले ने सुपारी दी है. तुम्हें हम खत्म कर डालेंगे. इस तरह की धमकी दी. तुमने अगर हमें २० लाख रुपए दिए तो हम तुम्हें छोड़ देंगे. तुम्हें केस में भी झटका नहीं लगेगा. इसके बाद उन्हें उनके घर लाया गया. उनका मोबाइल व घर की चाबी जबरन छीन ली. घर से २ लाख १० हजार रुपए के सोने के गहने व २५ लाख कैश सहित २७ लाख १० हजार रुपए जबरन लूट लिए. उन्हें लेकर लुटेरे फिर से शिंदवणे घाट आए. यहां डॉक्टर को छोड़कर वे फरार हो गए. डॉक्टर की शिकायत पर लोणी कालभोर पुलिस ने डाका डालने का केस दर्ज किया है. पुलिस उपनिरीक्षक गोरे मामले की जांच कर रहे है.

पुणे आरटीओ ने दी शेयर रिक्शा को मंजूरी

पुणे – पुणे मेट्रो के विस्तार के बाद यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है. हालांकि सवाल यह खड़ा हुआ कि यात्री स्टेशन से घर कैसे पहुंचें. आखिरकार आरटीओ ने बुधवार को यात्रियों को मेट्रो स्टेशनों से उनके घरों तक पहुंचाने के लिए शेयर रिक्शा को मंजूरी दे दी. इस संबंध में प्राधिकरण ने टैरिफ को भी मंजूरी दे दी है. इससे यात्रियों को मेट्रो स्टेशन से घर पहुंचने का सस्ता विकल्प मिलेगा. क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) द्वारा शेयर रिक्शा का प्रस्ताव दिया गया था. कुछ दिन पहले आरटीओ में रिक्शा एसोसिएशन के प्रतिनिधियों की बैठक हुई. उसके बाद, आरटीओ, यातायात पुलिस, सभी रिक्शा संघों के प्रतिनिधियों, महामेट्रो, पुणे मनपा, पिंपरी–चिंचवड़ मनपा और यात्री संघों के प्रतिनिधियों द्वारा एक संयुक्त सर्वेक्षण किया गया. इसने प्रत्येक मेट्रो स्टेशन से निकटतम मार्गों का सर्वेक्षण किया और दूरी के आधार पर शेयर रिक्शा किराया प्रस्तावित किया. इसे क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित किया गया है, उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संजीव भोर ने यह जानकारी दी. अगर मेट्रो स्टेशन से शेयर रिक्शा सेवा शुरू होती है तो किराया बांटकर एक रिक्शा में तीन यात्री सफर कर सकेंगे. ऐसे में एक भी यात्री को पूरा किराया नहीं देना होगा. कुल 18 मेट्रो स्टेशनों पर शेयर रिक्शा शुरू किये जायेंगे. प्रत्येक स्टेशन पर यात्रियों की संख्या के आधार पर 2 से 6 रिक्शा स्टैंड होंगे. साझा रिक्शा का किराया दूरी के आधार पर 11 रुपये से शुरू होगा और दूरी के आधार पर बढ़ेगा. यह किराया खटुआ कमेटी की सिफारिश के मुताबिक तय किया गया है. उपक्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संजीव भोर ने कहा कि, ''चूंकि शेयर रिक्शा सेवा मेट्रो स्टेशन से शुरू होगी, इससे यात्रियों के साथ–साथ रिक्शाचालकों को भी फायदा होगा. शेयर रिक्शा पुणे के 18 मेट्रो स्टेशनों और पिंपरी –चिंचवड़ और पुणे रेलवे स्टेशन से शुरू होंगे.''

प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने नौ साल के बेटे के साथ की आत्महत्या

नगर – नगर जिले में एक महिला ने अपने नौ साल के बेटे के साथ आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि महिला ने कुएं में कूदकर अपनी और बेटे की जान दे दी। पुलिस ने शुक्रवार को ये जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने महिला के पति और उसके ससुराल वालों के खिलाफ संज्ञान लिया है। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ आईपीसी की धारा 306 के तहत मामला दर्ज किया है। अधिकारी ने बताया कि मृतक महिला का नाम मनीषा नरवाड़े हैं, जो 32 साल की थीं। उन्होंने अपने बेटे ओमकार के साथ नौ अगस्त को नगर जिले में कुएं में कुदकर आत्महत्या कर लीं। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में ऐसा लग रहा है कि महिला ने यह कदम इसलिए उठाया, क्योंकि उसे उसके पति और ससुराल वाले प्रताड़ित कर रहे थे। इधर, घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने महिला के ससुराल वालों के घर में आग लगा दी और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

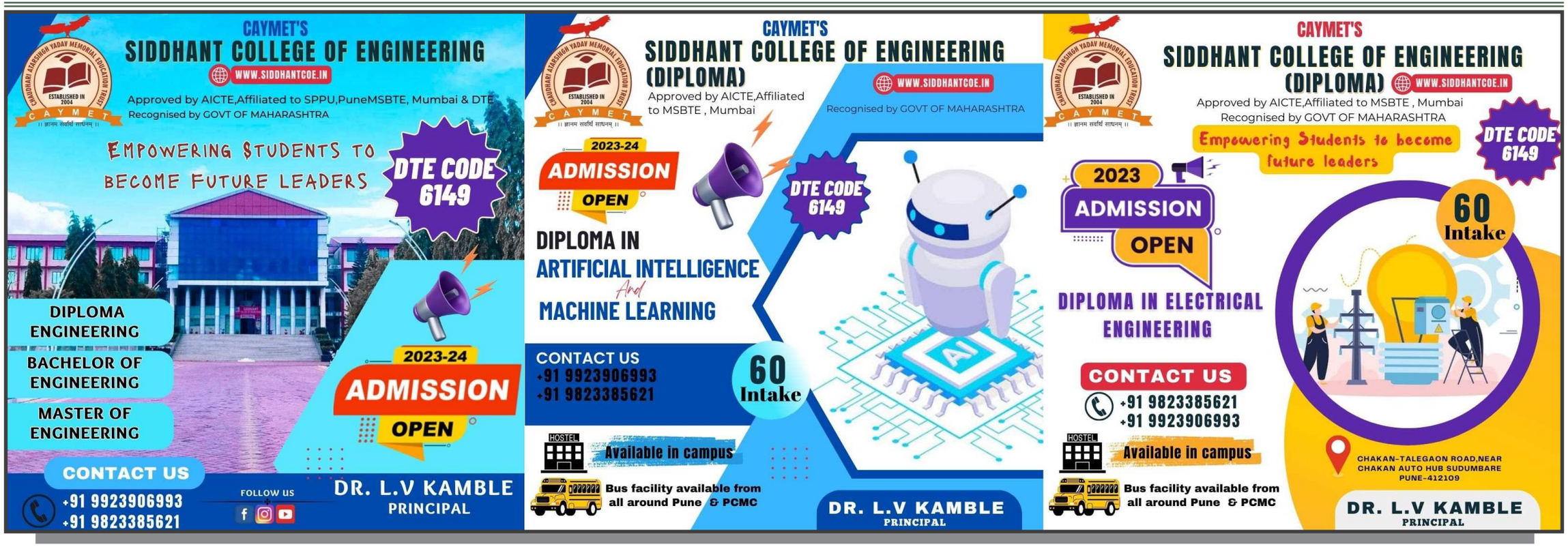

खेल-सिनेमा

भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) चुनावों के संबंध में एक बड़े घटनाक्रम में, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने हरियाणा कुश्ती संघ (एचडब्ल्यूए) द्वारा दायर एक याचिका के बाद शनिवार (12 अगस्त) को होने वाले मतदान पर रोक लगा दी है। यह रोक अगले आदेश तक है। हरियाणा कुश्ती संघ ने हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ (एचएडब्ल्यूए) को डब्ल्यूएफआई चुनावों में वोट डालने की अनुमति देने के कदम को चुनौती देते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया। एचडब्ल्यूए का नेतृत्व संसद सदस्य दीपिंदर हुड्डा करते हैं और यह आधिकारिक तौर पर डब्ल्यूएफआई और हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन (एचओए) से संबद्ध है। डब्ल्यूएफआई के नियमों के मुताबिक, एक राज्य संघ अपने चुनाव में वोट डालने के लिए दो सदस्यों को भेज सकता है। लेकिन हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ ने भी दावा किया है कि उनका डब्ल्यूएफआई से जुड़ाव है और उन्हें चुनाव में वोट देने का अधिकार है। हरियाणा कुश्ती संघ का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील रविंदर मलिक ने खुलासा किया कि एचएडब्ल्यूए हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन से संबद्ध नहीं है इसलिए वे वोट देने के हकदार नहीं हैं। वहीं, हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ ने दावा किया कि एचडब्ल्यूए चुनाव प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकता क्योंकि वह डब्ल्यूएफआई से मान्यता प्राप्त नहीं है। एचडब्ल्यूए के प्रतिनिधि ा मलिक ने कहा,''यदि हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ को चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति दी जाती है, तो इससे पूर्वाग्रह पैदा होगा और साथ ही डब्ल्यूएफआई चुनाव भी अवैध माने जाएंगे।'' अदालत ने इस पर संज्ञान लिया और कहा कि यह किसी के प्रति पूर्वाग्रह पैदा कर सकता है और प्रथम दृष्टया लगता है कि हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ वोट डालने की पात्रता नहीं रखता है। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश विनोद एस भारद्वाज की अदालत ने डब्ल्यूएफआई के चुनावों पर रोक लगा दी है।

स्टार प्रवाह चैनल द्वारा बनाया गया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स

स्टार प्रवाह वाहिनी ने हमेशा विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मराठी परंपरा मराठी प्रवाह के आदर्श वाक्य को बनाए रखने का प्रयास किया है। स्टार प्रवाह चैनल ने लाखों दर्शकों के घरों और दिलों में अपनी सही जगह बना ली है। दर्शकों के प्रिय चौनल ने एक ऐसा प्रदर्शन दिखाया है जो पूरे महाराष्ट्र को गौरवान्वित करेगा। ब्लॉकबस्टर वेड का विश्व टेलीविजन प्रीमियर 20 अगस्त को शाम 7 बजे स्टार प्रवाह पर होगा। इस फिल्म के मौके पर स्टार प्रवाह ने एक अनोखा रिकॉर्ड बनाया है. यह रिकॉर्ड प्रतिष्ठित गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। ये अनोखा रिकॉर्ड सुपरस्टार रितेश देशमुख की मौजूदगी में बनाया गया. वेड को बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता मिली। सत्या और श्रावणी की अनोखी प्रेम कहानी ने पूरे महाराष्ट्र को दीवाना बना दिया। इस प्यार की गवाही देने वाले एक शानदार दिल की उत्कृष्ट कृति बनाकर एक विश्व रिकॉर्ड बनाया गया। कला के इस शानदार नमूने को बनाने में 1446 छतरियों का उपयोग किया गया था। दो दिन की अथक मेहनत के बाद इस कलाकृति ने आकार ले लिया। मराठी सिनेमा और मराठी चौनलों के इतिहास में यह प्रयोग पहली बार किया गया है. फिल्म वेड में सत्या और श्रावणी का छत्री के साथ एक अलग रिश्ता है। इसीलिए छत्री को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के लिए भी चुना गया था। इस कलाकृति में आखिरी छाता अपने हाथों से रखकर रितेश देशमुख ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड पूरा किया। वेड सिनेमा के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर के मौके पर स्टार प्रवाह द्वारा बनाया गया यह रिकॉर्ड सराहनीय है. यह पूरे महाराष्ट्र के लिए बहुत गौरव का क्षण है। यह पहली बार है जब मराठी सिनेमा में ऐसा प्रयोग किया गया है। रितेश देशमुख ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा, ''जेनिलिया और मैं स्टार प्रवाह वाहिनी द्वारा दिए गए इन अनमोल क्षणों के लिए आभारी हैं।'' स्टार प्रवाह के बिजनेस हेड सतीश राजवाड़े ने कहा, 'मराठी सिनेमा हर मराठी दर्शक के लिए गर्व की बात है। इस फिल्म की खूबी ये है कि वेड ने दर्शकों को वाकई दीवाना बना दिया और खूब पैसे भी कमाए. स्टार प्रवाह चैनल हमेशा मराठी परंपरा को बनाए रखने के लिए प्रयासरत रहता है और इसीलिए स्टार प्रवाह 20 अगस्त को महाराष्ट्र के नंबर वन चौनल पर महाराष्ट्र की नंबर वन फिल्म लेकर आ रहा है। प्रमुख चैनल स्टार प्रवाह ने इस फिल्म के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर विश्व मानचित्र पर अपना नाम दर्ज कराया है। तो एक बार फिर प्यार के पागलपन का अनुभव करने के लिए तैयार हो जाइए। वेद को रविवार 20 अगस्त को शाम 7 बजे स्टार प्रवाह पर और 27 अगस्त को रात 8 बजे स्टार गोल्ड पर हिंदी में देखना न भूलें।

आशा भोंसले ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लिए गाया 'चुरा लिया है तुमने जो दिल को'

इस वर्ष मशहूर गायक आशा भोंसले अपना 90 वां जन्मदिन मना रही है, आशा जी की आवाज का हर कोई घायल है मगर बहुत काम लोगो को पता होगा की हमारे देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भी आशा जी की गायकी बेहद पसंद है। इस बात का अंदाजा न्यूज18 के राइजिंग इंडिया 'शी शक्ति' समेल्लन में दिखाई दिया जहाँ जब आशा जी को गाते हुए राष्ट्रपति ने देखा तो उन्होंने अपनी फरमाइश की गीत भी पेश कर दी और आशा जी अपने उसी मधुर आवाज ''चुरा लिया है तुमने जो दिल को..... गीत को गाकर समां और खुशनुमा कर दिया। इतना ही नहीं उन्होंने राधा कैसे ना जले यह गीत भी पेश किया। जब राष्ट्रपति बहुत सम्मान के साथ आशा भोसले का हाँथ पकड़कर मंच से निचे ला रही थी देखते हुए बन रहा था।

के के मेनन के मुख्य किरदार से सजी स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म ''लव ऑल'' २५ अगस्त को होगी रिलीज

पिछले कुछ वर्षों में खेल पर आध ाारित बहुत सारी भारतीय फिल्मों ने सफलता का परचम लहराया है। कई स्पोर्ट्स ड्रामा ने दर्शकों का दिल जीता है। के के मेनन के मुख्य किरदार से सजी अपकमिंग फिल्म लव ऑल भी इसी सिलसिले को आगे बढ़ाती है। बैडमिंटन के बैकग्राउंड पर बेस्ड फिल्म लव ऑल में बहुमुखी प्रतिभा के धनी अभिनेता के.के. मेनन ने एक ऐसे पिता का किरदार किया है जो अपने बेटे को बैडमिंटन में चौंपियन बनाने का ख्वाब देखता है। लेखक निर्देशक सुधांशु शर्मा की फिल्म लव ऑल पिता–पुत्र के प्यारे रिश्ते को दर्शाने के साथ, बैडमिंटन के एक रोमांचक खेल को दिखाती है। यह फिल्म 25 अगस्त, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। आनंद पंडित और पुलेला गोपीचंद द्वारा प्रस्तुत, दिलीप सोनी जयसवाल, राहुल वी.दुबे और संजय सिंह द्वारा को प्रोड्यूस फिल्म को एम. रमेश की लक्ष्मी गणपति फिल्म्स द्वारा रिलीज किया जा रहा है। लव ऑल 7 भारतीय भाषाओं हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़, बंगाली और उड़िया के साथ सात विदेशी भाषाओं मलेशियाई, थाई, कोरियाई, स्पेनिश, जापानी, इंडोनेशिया और फ्रेंच में सबटाइटल के साथ रिलीज होने जा रही है। मुम्बई के रहेजा क्लासिक क्लब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अभिनेता के के मेनन, महेश भट्ट, विक्रम भट्ट, निर्देशक सुधांशु शर्मा, आनंद पंडित एम. रमेश (वल्ड़ वाईड डिस्ट्रिब्यूटर), सह निर्माता दिलीपसोनी जायसवाल, राहुल वी दुबे, संजय सिंह, सिंगर पेपान उपस्थित थे। इस फिल्म के कलाकारों, निर्माता, निर्देशक और पूरी टीम ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। के के मेनन फिल्म में एक छोटे शहर के व्यक्ति के अवतार में दिखेंगे। लव ऑल में स्वस्तिका मुखर्जी, श्रीस्वरा, सुमित अरोड़ा, आर्क जैन, दीप रमभिया, अतुल श्रीवास्तव, रॉबिन दास, आलम और माजेल व्यास की शानदार भूमिकाएँ हैं जिन्होंने फिल्म में बैडमिंटन के खेल को जीवंत बनाया है। प्रतिभाओं का सही मिश्रण ढूंढने के लिए, लव–ऑल की टीम ने देश भर में बेहतरीन बैडमिंटन खिलाड़ियों की खोज की। अखिल भारतीय जूनियर और सब–जूनियर स्तर के टूर्नामेंटों के दौरान ऑडिशन किया गया, जिसमें लगभग 300 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया, जिसके बाद खिलाड़ियों को स्क्रीन पर उसी उत्साह के साथ प्रदर्शन करने में मदद करने के लिए महीनों की गहन कोचिंग और प्रशिक्षण दिया गया। यह सुनिश्चित किया गया था कि बैडमिंटन कोर्ट पर हर हिट और स्क्रीन पर पसीने से लथपथ हर पल उतना ही रियल हो जितना कि यह खेल होता है। के के मेनन ने कहा कि, 'एक स्पोर्ट्स फिल्म सिर्फ खेल के बारे में होनी चाहिए। लव–ऑल की कहानी सच्चे रूप में खेल और खिलाड़ी दोनों के लिए एक ट्रिब्यूट है, जो जज्बे और जुनून को पूरी तरह से दर्शाती है। इस खेल को निर्देशक सुधांशु शर्मा और डीओपी जयवंत राऊत मुरलीधर ने शानदार तरीके से कैमरे में कैद किया है, जिन्होंने फिल्म को रियल टच देने के लिए कई कैमरा एंगल, स्लो–मोशन शॉट्स और पेशेवर खेल के कैमरा ऑपरेटरों का इस्तेमाल किया है। खेल के सार को सटीक रूप से चित्रित करने के उनके समर्पण ने न केवल महान बैडमिंटन खिलाड़ी पी. गोपीचंद का दिल जीता, बल्कि ब्रांड योनेक्स, बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया और बैडमिंटन गुरुकुल से भी काफी सपोर्ट हासिल किया। लव–ऑल की दिल छू लेने वाली कहानी भोपाल की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म की भावनात्मक स्टोरीलाइन और प्रासंगिक विषय की महान निर्देशक महेश भट्ट ने सराहना की, जो इस फिल्म के प्रेजेंटर भी हैं। महेश भट्ट के शब्दों में, 'जब एक कहानी मिट्टी से निकलती है, उसमें आम लोगों को शामिल करती है, उनके सपनों और संघर्षों के बारे में बात करती है, तो यह बेशक सभी के साथ जुड़ती है। चाहे वह किसी भी शहर या देश का हो।' अपनी कहानी में ''लव ऑल'' प्यार और परिवार के यूनिवर्सल विषय को समाहित करती है। ये फिल्म सपनों, अनकही भावनाओं और एक खेल लीजेंड के निर्माण में हर कदम पर सपोर्ट करने वाले प्रत्येक कदम की तस्वीर को बखूबी चित्रित करती है। मंजिल पाने के रास्ते में अक्सर लोगों को ढेर सारी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, और जुनून व जज्बात से वह सपने को हकीकत में बदल देता है।